नर सेवा

नारायण सेवा

# वार्षिक वृतान्त 2020-2021

## हमारा लक्ष्य

“पिछड़े, ग्रामीण एवं जनजातिय क्षेत्रों व तीर्थस्थलों में उपेक्षित और शोषित वर्ग की सेवा करके मातृभूमि की वंदना करना और उन्हें चिकित्सीय सुविधा और सामाजिक सुद्रढ़ता प्रदान करना"

## हमारी संदृष्टि

"जनजातिय, निर्धन, उपेक्षित व सामाजिक रूप से वंचित और अन्य पिछड़े वर्ग का सम्पूर्ण एवं सर्वागीण विकास"।

**स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन सोसाइटी, उत्तराखण्ड**

# संपादक के कलम से

वर्ष २०२०-२१, पूरी मानवता के लिए एक ऐसा वर्ष रहा है जिसे वे अपनी स्मृतियों से मिटाना चाहेंगे। कोरोना वायरस महामारी ने मानव जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित किया। ऐसे कठिन समय में भी SVHM सोसाइटी ने अपने धर्मार्थ कार्य को पूरे जोश और समर्पण के साथ जारी रखा और इनके कर्मठ योद्धा अपने कार्य को निस्वार्थ भावना से करते रहे।

वर्ष के शुरु के कुछ महीने, जब लॉक डाउन लगा हुआ था तब, सोसाइटी चिकित्सालयों ने लैब, एक्स - रे व अन्य जाचों के साथ-साथ सीमित ओपीडी परामर्श एवं अपनी आपातकालीन सेवाओं को चालू रखा। सर्जरी, सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों और मल्टीस्पेशलिटी रोग शिविरों को अस्थायी रूप से स्थगित करना पड़ा।

सोसाइटी चिकित्सालयों ने हालांकि लंबे समय तक प्रतीक्षा नहीं किया और सरकारी कोविड दिशानिर्देशों का पालन करते हुए अपनी समस्त सेवाओं को प्रारंभ कर दिया।

स्वास्थ्य के अलावा SVHM सोसाइटी द्वारा संचालित अन्य उपक्रम, शिक्षा और स्वावलंबन अभियानों को भी क्रियाशील रखा गया। "ई-शिक्षा अभियान" के अंतर्गत सोसाइटी ने ऑनलाइन सुविधा से युक्त शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन प्रायोजित किया जिसमें सामाजिक रूप से आर्थिक व कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं करवाई गयीं व उन्हें मुफ्त टैबलेट भी वितरित किए गए।

"स्वावलंबन अभियान" के अंतर्गत चारधाम यात्रा स्थगित होने के कारण कठिनाई का सामना कर रहे बद्रीनाथ धाम के आसपास रहने वाले ग्रामीणों की आजीविका के लिए "बद्रीमाला" कार्यक्रम चलाया । चार यात्रा स्थगित रहने के कारण केदारनाथ धाम का चिकित्सालय नहीं शुरू किया जा सका, हालांकि स्थानीय लोगों और मंदिर समिति के अनुरोध पर बद्रीनाथ धाम के चिकित्सालय को शुरू कर दिया गया।

सोसाइटी के अन्य सभी चिकित्सालयों ने अपना नियमित कार्य करना शुरू कर दिया पर बुखार के रोगियों के लिए अलग ओ पी डी की व्यवस्था रखी गयी थी । अन्य रोगियाँ को पूर्व की भांति देखा गया व उनका इलाज उनकी बीमारियों के अनुसार किया गया । पूरी तरह से सर्जरी फिर से शुरू हो गई, लेकिन रोगियों की कोविड की जाँच रिपोर्ट नेगेटिव आने के पश्चात के बाद ही उनकी सर्जरी की गयी ।

इस दौरान हमारे चिकित्सालय के कुछ स्टाफ भी कोविड से संक्रमित हो गए, हालांकि वे सभी पूर्णतः स्वस्थ हो गए और पुनः दुगने उत्साह से ड्यूटी पर तैनात हो गए । वर्ष के उत्तरार्ध में कोविड मामलों में गिरावट को देखते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम और सामुदायिक चिकित्सा शिविरों को पुनः प्रारंभ कर दिया गया।

धर्मवाला चिकित्सालय ने अगस्त माह में अपने आयुर्वेद विभाग में "पंचकर्म केंद्र" शुरू करके एक और मील का पत्थर हासिल किया । अंतिम तिमाही सोसाइटी के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी क्योंकि उनका नौवां चिकित्सालय 24 जनवरी 2021 को हरिद्वार में शुरू हो गया। संत समुदाय को पूरी तरह से निःशुल्क सेवाएं प्रदान करने वाला यह चिकित्सालय अस्वस्थ और जरूरतमंद तीर्थयात्रियों के लिए भी वरदान के रूप में आया, जो की शुभ "महाकुंभ" उत्सव के लिए नगर में पहुँचे थे ।

सोसाइटी का एक और प्रकल्प, गंगोत्री धाम में चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले अपना दसवां चिकित्सालय शुरू करना है जिसकी की तैयारियां जोरों पर है । आशा है की चारधाम यात्रा शुरू होते ही यह चिकित्सालय भी अपना कार्य प्रारंभ कर देगा ।

सोसाइटी के ये समस्त कार्य, प्रकल्प एवं प्रयास हमारे असंखय दाताओं, संगठनों और व्यक्तियों के निस्वार्थ समर्थन के बिना संभव नहीं है। सोसाइटी हमेशा ऐसे दाताओं के प्रति कृतज्ञ रहेगा उनके विश्वास के लिए भी आभारी रहेगा जो उन्होंने हमें प्रदान किया गया है।

ये लेख को इस उम्मीद के साथ समाप्त करते हुए कि आने वाला यह नव वर्ष अपने साथ आशा एवं खुशियाँ लाये और हम सब एक स्वस्थ भारत और दुनिया की और अग्रसर हों ।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःखभाग् भवेत्।।

# विषय सूची

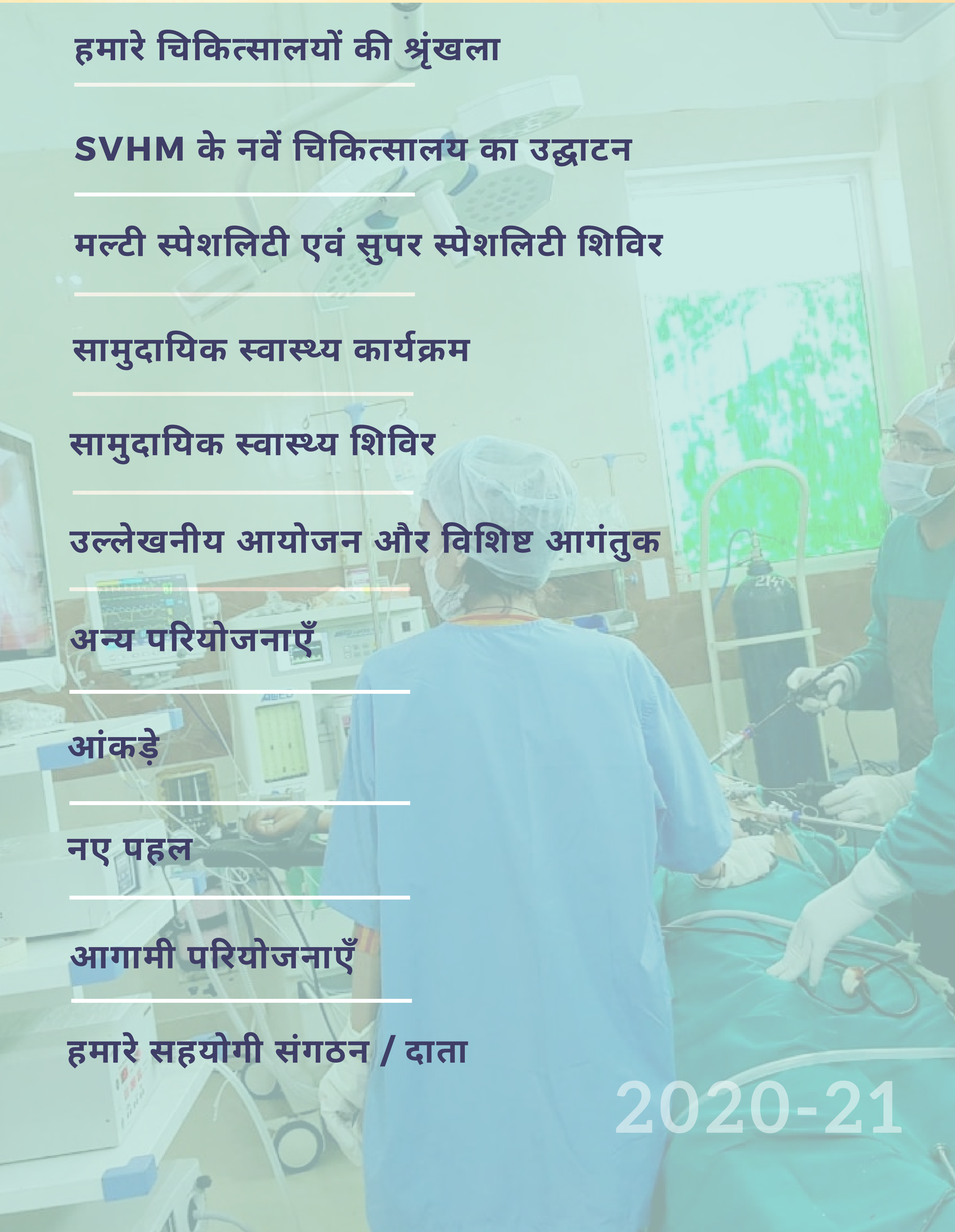


हमारे चिकित्सालयों की श्रृंखला

SVHM के नवें चिकित्सालय का उद्घाटन

मल्टी स्पेशलिटी एवं सुपर स्पेशलिटी शिविर

सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

सामुदायिक स्वास्थ्य शिविर

उल्लेखनीय आयोजन और विशिष्ट आगंतुक

अन्य परियोजनाएँ

आंकड़े

नए पहल

आगामी परियोजनाएँ

हमारे सहयोगी संगठन / दाता


2020-21

# हमारे चिकित्सालयों की श्रृंखला

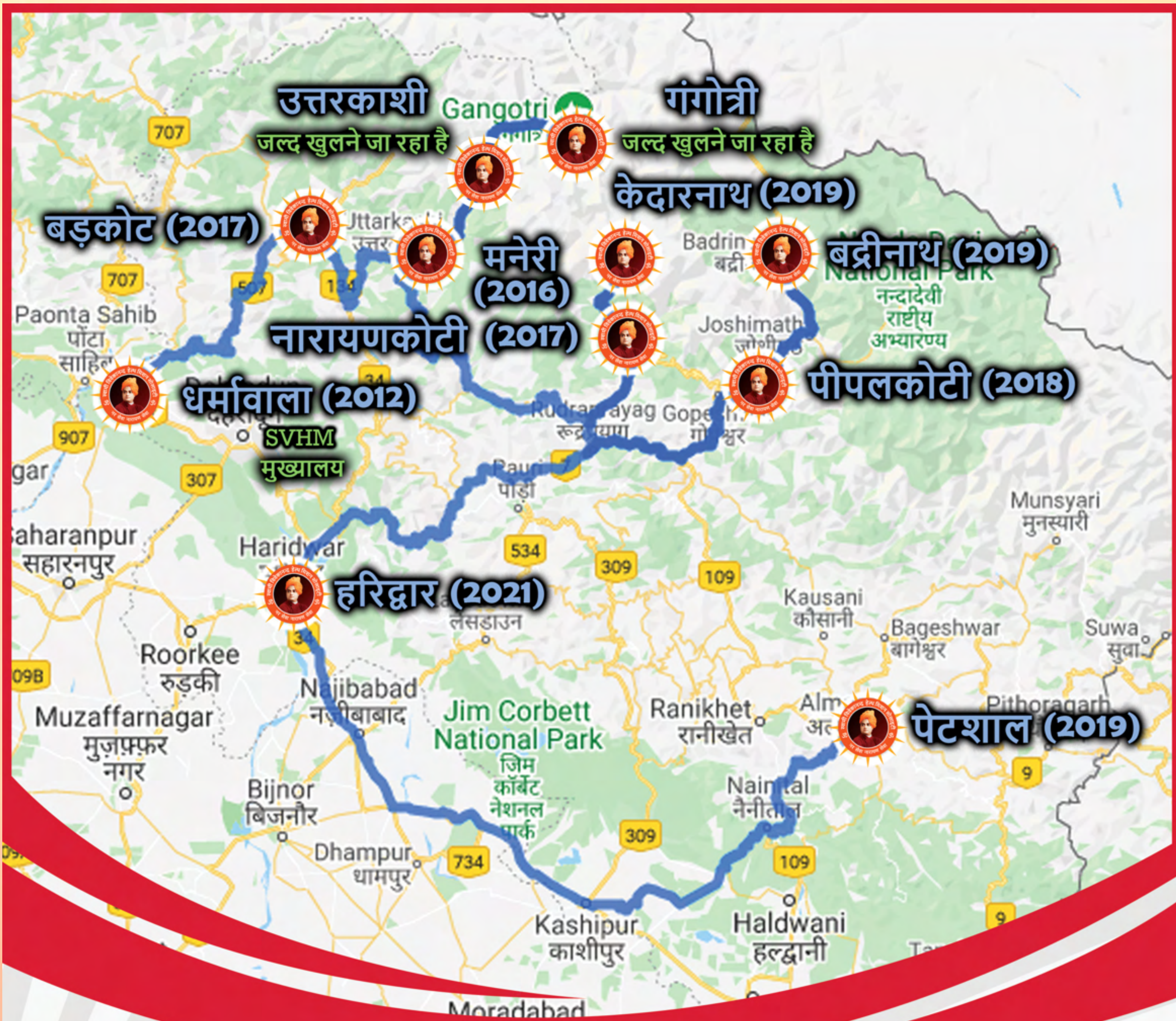

> हम वह हैं जो हमें हमारी सोच ने बना दिया है; इस लिए तुम क्या सोचते हो इस चीज का ध्यान रखो, शब्द इतने महत्वपूर्ण नहीं है, सोच हमेशा जिन्दा रहती है और दूर तक का सफर तय करती है
>
> — स्वामी विवेकानन्द

https://twitter.com/svhmuk
https://www.facebook.com/svhmu
https://svhmuk.in
svhmuk@gmail.com
बी-207, पेसिफिक एस्टेट
अनुराग नर्सरी चौक
वसन्त विहार
देहरादून - 248006

# स्वामी राम प्रकाश धर्मार्थ चिकित्सालय, हरिद्वार का उद्घाटन

पवित्र नगरी हरिद्वार के संतों, तीर्थयात्रियों, भक्तों और जरूरतमंदों की लंबे समय से चली आ रही एक धर्मार्थ चिकित्सालय की आकांक्षाओं को पूरा करते हुए, 24 जनवरी 2021 को वैदिक मंत्रोच्चार और हवन के साथ नौवें चिकित्सालय का उद्घाटन किया गया। यह चिकित्सालय 30-बेड की सुविधा वाला है एवं नवीनतम और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों से सुसज्जित है। यह चिकित्सालय संतों और आर्थिक रूप से गरीब लोगों को पूरी तरह से नि:शुल्क चिकित्सा सेवा प्रदान करेगा और इसमें नेत्र रोगियों के लिए एक अलग से समर्पित विभाग भी है।

उत्तराखण्ड के माननीय मुख्यमंत्री की उपस्थिति एवं
माइक्रोटेक के सीईओ श्री सुबोध गुप्ता और
उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अनीता गुप्ता द्वारा हवन

स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज,
स्वामी रूपेंद्र प्रकाश जी एवं
स्वामी रामदेव जी सभा को संबोधित करते हुए

कार्यक्रम की अध्यक्षता जूनापीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेश्वरानंद गिरि जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी वियोगानन्द सरस्वती जी महाराज, संत प्रवर श्री विजय कौशल जी महाराज, योग-ऋषि स्वामी रामदेव जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ कृष्णगोपाल जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय ग्राम विकास प्रमुख डॉ दिनेश जी, विश्व हिंदू परिषद के संरक्षक श्री दिनेश जी, अवधूत मंडल आश्रम के अध्यक्ष स्वामी रूपेंद्र प्रकाश जी और स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन सोसायटी के अध्यक्ष डॉ एस के वर्मा समेत कई गणमान्य हस्तियाँ उपस्थित रहीं।

स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा

डॉ. कृष्णगोपाल जी
(आर.एस.एस सह सरकार्यवाह)
अपने विचार रखते हुए

इस शुभ अवसर पर स्वामी विवेकानन्द की एक विशाल प्रतिमा का भी अनावरण किया गया। इसके पश्चात आयोजित कार्यक्रम में देशभर के संत समाज की महान विभूतियों ने अपने आशीर्वचन दिए और आरोग्य की दिशा में कार्यरत स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन की महत्वता पर बल दिया।

मिशन का दीर्घ संकल्प देश के सभी धार्मिक स्थलों में ऐसे नि:शुल्क चिकित्सालयों को स्थापित करने का है ताकि तीर्थयात्रियों, साधु-सन्यासियों और निर्धन वर्ग के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए अन्यत्र न भटकना पड़े।

# कल्याणार्थ एवं जनहितार्थ भावना के साथ मल्टी और सुपर स्पेशलिटी शिविरों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना

## धर्मावाला एवं हरिद्वार

### 26 मल्टी स्पेशलिटी एवं सुपर स्पेशलिटी शिविरों का आयोजन, कुल लाभार्थी: 7569

पंजीकरण, धर्मावाला

पंजीकरण, हरिद्वार

शिविर ओ.पी.डी - हरिद्वार,
डॉ. एन सी अग्रवाल,
प्लास्टिक सर्जन,
हरिद्वार

शिविर ओ.पी.डी - हरिद्वार,
डॉ. श्रुति ओगरा,
ई एन टी विशेषज्ञ एवं वरिष्ठ डी.म.ओ,
नार्थन रेलवे सेंट्रल चिकित्सालय, नई दिल्ली

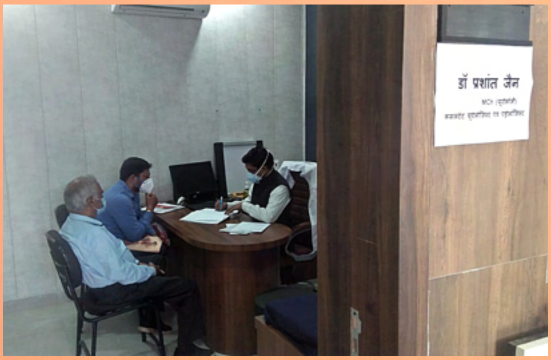

शिविर ओ.पी.डी - हरिद्वार,
डॉ. प्रशान्त जैन,
यूरोलोजिस्ट,
अपोलो स्पेक्ट्रा, दिल्ली

शिविर ओ.पी.डी - हरिद्वार,
डॉ. यतेन्द्र नागयान,
त्वचा रोग विशेषज्ञ,
हरिद्वार

शिविर ओ.पी.डी - हरिद्वार,
डॉ. शेरोन कंडारी,
नेफ्रोलोजिस्ट,
एम्स ऋषिकेश

शिविर ओ.पी.डी - हरिद्वार,
डॉ. अश्वनी कंडारी,
यूरोलोजिस्ट,
कंडारी चिकित्सालय, ऋषिकेश

शिविर ओ.पी.डी - हरिद्वार,
डॉ. पवन कुमार,
त्वचा रोग विशेषज्ञ,
रूड़की

शिविर ओ.पी.डी - हरिद्वार,
डॉ. अभिसार कटियार,
हड्डी रोग विशेषज्ञ,
यथार्थ चिकित्सालय, नोएडा

शिविर ओ.पी.डी - हरिद्वार,
डॉ. अनिल जुयाल,
प्रोफेसर एवं हड्डी रोग विशेषज्ञ,
HIMS, जॉली ग्रांट, देहरादून

# कल्याणार्थ एवं जनहितार्थ भावना के साथ मल्टी और सुपर स्पेशलिटी शिविरों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना

## धर्मावाला एवं हरिद्वार

### 26 सुपर स्पेशलिटी एवं मल्टी स्पेशलिटी शिविरों का आयोजन, कुल लाभार्थी: 7569

शिविर प्रारम्भ होने से पहले की प्रार्थना

शिविर ओ.पी.डी - हरिद्वार,
डॉ. सी के घोष,
वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट,
नई दिल्ली

शिविर ओ.पी.डी - हरिद्वार,
डॉ. होमप्रिया,
न्यूरो सर्जन,
यथार्थ चिकित्सालय, ग्रेटर नोएडा

शिविर ओ.पी.डी - हरिद्वार,
डॉ. मुकेश झा,
न्यूरोलोजिस्ट,
मैक्स चिकित्सालय, दिल्ली

शिविर ओ.पी.डी - हरिद्वार,
डॉ. तरंग गोयल,
त्वचा रोग विशेषज्ञ,
मेडिकल कॉलेज, मुजफ्फरनगर

शिविर ओ.पी.डी - हरिद्वार,
डॉ. सुनील बाल्यान,
फेफड़ा रोग विशेषज्ञ (PULMONOLOGIST),
यथार्थ चिकित्सालय, ग्रेटर नोएडा

शिविर ओ.पी.डी - हरिद्वार,
डॉ. आलोक कुमार,
त्वचा रोग विशेषज्ञ,
रूड़की

केयर कॉलेज ऑफ नर्सिंग, हरिद्वार से नर्सिंग छात्राओं की एक टीम प्रत्येक रविवार शिविर के दौरान स्वैच्छिक सेवाएं प्रदान करती हैं

### शिविर में प्रदान की गई सुविधाएं

प्रत्येक रविवार को आयोजित हुए शिविरों में कई स्पेशलिस्ट और सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सकों ने अपनी स्वैच्छिक एवं निःशुल्क सेवाएं प्रदान कीं ।

हरिद्वार में हमारे मल्टी और सुपर-स्पेशलिटी शिविरों की भारी सफलता से उत्साहित होकर, हमने रविवार के शिविरों को सुपर-स्पेशलिटी के अनुसार विभाजित कर दिया, जिससे जरूरतमंद लोगों तक बेहतर पहुँच और देखभाल हो सके। शिविरों के लिए निम्नांकित पैटर्न का पालन किया गया :

- प्रथम रविवार : एंडोक्रिनोलॉजी और न्यूरोलॉजी
- द्वितीय रविवार : नेफ्रोलॉजी और यूरोलॉजी
- तृतीय रविवार : कार्डियोलॉजी और पल्मोनोलॉजी
- चौथे रविवार : गैस्ट्रोएंटरोलॉजी

# सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

## धर्मावाला

## सामुदायिक महिला स्वास्थ्य एवं मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

**एक नए एनीमिया चिकित्सा एवं रोकथाम कार्यक्रम की शुरुआत हुई ।**

**कोरोना वायरस महामारी के कारण अस्थायी रूप से स्थगित चल रहे तीन अन्य ऐसे कार्यक्रम : स्तन एवं ग्रीवा के कैंसर की जागरूकता, जाँच एवं चिकित्सा कार्यक्रम, मासिक धर्म स्वच्छता कार्यक्रम और मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम को पुनः आरंभ किया गया ।**

खून जाँच, वजन जाँच, दवाओं का नि: शुल्क वितरण और नियमित साप्ताहिक फॉलोअप

### एनीमिया चिकित्सा एवं रोकथाम कार्यक्रम
### 'खून में वृद्धि, लाए जीवन में समृद्धि'

---------------------------

एनीमिया अभी भी भारत में एक स्वास्थ्य समस्या है जिसमें 50% से अधिक महिलाएं, किशोरी लड़कियां और पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चे इससे पीड़ित हैं। एक पायलट परियोजना के रूप में इसे एक आदिवासी बहुल गांव से शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य, निर्धारित समय अवधि में लक्षित आबादी में एनीमिया को 50% तक कम करना है। हीमोग्लोबिन के आकलन और दवा वितरण जैसी सेवाएँ प्रदान करने के अलावा यह कार्यक्रम स्थानीय स्तर पर उपलब्ध आयरन युक्त खाद्य पदार्थों को अपने आहार में शामिल करने के साथ स्वस्थ आहार की आदतें, स्वच्छता और आहार विविधीकरण पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है।

: कुल संपर्क किए गए सदस्य: 428 : कुल एनेमिक: 237 (56 %)

हमारे देश के भविष्य

### स्तन एवं ग्रीवा के कैंसर का जागरूकता, जाँच एवं चिकित्सा कार्यक्रम
### "कैंसर से दो कदम आगे - चिकित्सा से सावधानी भली"

---------------------------

स्वास्थ्य शिक्षा सत्र

भारत में स्तन का कैंसर महिलाओं में होने वाला सबसे आम कैंसर है व ग्रीवा का कैंसर दूसरा सबसे आम कैंसर माना जाता है। इन दोनों से बचाव हो सकता है और हमारा कार्यक्रम भी उसी उद्देश्य पर आधारित है।

नियमित जाँचें जैसे मैमोग्राफी, पैप स्मीयर (Pap Smear), खून जाँच इत्यादि एवं नियमित फॉलोअप के माध्यम से हम कैंसर को समय से पता लगाने और उसके रोकथाम के लिए कार्य करते हैं। हम जागरूकता एवं स्तन कैंसर से बचाव के लिए स्वयं - जांच कैसे करें यह भी सिखाते हैं ।

- कार्यक्रम के लिए संपर्क की गई महिलाओं (30 वर्ष और उससे अधिक रजोनिवृत्ति तक) की संख्या: 64
- धर्मावाला अस्पताल में संदर्भित तथा जांची गई महिलाओं की संख्या : 36

शिविर - इनर व्हील क्लब, विकासनगर के माध्यम से आयोजित किया गया

### MY PAD (MENSTRUAL HYGIENE) कार्यक्रम
### "मेरी पहचान - खुद को जाने, खुद को पहचाने"

---------------------------

स्वास्थ्य शिक्षा सत्र

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (NFHS) 2015-2016 का अनुमान है कि भारत में 33.6 करोड़ मासिक धर्म वाली महिलाओं में से लगभग 12 करोड़ (लगभग 36%) महिलाएं ही स्थानीय / घरेलु या व्यावसायिक रूप से उत्पादित सैनिटरी नैपकिन का उपयोग कर रही हैं। 2016 में हुए 'भारत में किशोरियों के बीच मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन' नामक अध्यन में पाया गया की 1 लाख लड़कियों में से लगभग 50 हजार को मासिक धर्म का पता तब चला जब प्रथम बार उन्हें मासिक धर्म आया। My Pad एक जागरूकता कार्यक्रम होने के नाते मासिक धर्म से जुड़े मिथकों को दूर करने और जागरूक करने के साथ-साथ मासिक धर्म स्वच्छता को बनाए रखने के बारे में भी सिखाता है। इसके अलावा हमने लाभार्थियों को नि:शुल्क सेनेटरी पैड भी वितरित किए।

स्वास्थ्य शिक्षा सत्र

- मासिक धर्म स्वच्छता कार्यक्रम के संबंध में व्यक्तिगत परामर्श (counselling) सत्र में भाग लेने वाली किशोरियों और मासिक धर्म वाली महिलाओं की संख्या: 136

नोट: कोविड के कारण, पहले आयोजित समूह परामर्श सत्रों को व्यक्तिगत परामर्श सत्रों में बदल दिया गया है।

### मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

---------------------------

- सर्वेक्षण किए गए व्यक्तियों की संख्या : 684
- संदिग्ध मामलों की संख्या : 161
- धर्मावाला चिकित्सालय में इलाज किए गए मरीजों की संख्या : 88

मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के लाभार्थी

इन सभी रोगियों का नियमित साप्ताहिक फॉलोअप भी किया जा रहा है और गंभीर एनीमिया के रोगियों को धर्मावाला चिकित्सालय में इलाज के लिए रेफर किया जा रहा है। इसके अलावा, हम लाभार्थियों को तीनों कार्यक्रम से संबंधित जानकारी युक्त पैम्फलेट/ विवरणिका (ब्रोचर) प्रदान कर रहे हैं, एवं उन्हें स्वच्छता और पौष्टिक भोजन की आदतों के बारे में भी शिक्षित कर रहे हैं। साथ ही हम लाभार्थियों को स्थानीय रूप से उपलब्ध आयरन युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करने और उनकी दैनिक आदतों और दिनचर्या में जीवनशैली में बदलाव को अपनाने के लिए परामर्श दे रहे हैं।

मानसिक स्वास्थ्य रोगियों की पहचान एक सधी हुई प्रश्नावली के माध्यम से की जाती है और इलाज किए गए रोगियों का हर 15 दिनों में फॉलो अप भी किया जाता है।

नोट: इन कार्यक्रमों के लिए आंकड़े कम हैं क्योंकि वे मार्च'2020 – जनवरी'2021 तक कोविड महामारी के कारण रोक दिए गए थे और फरवरी 2021 से पुनः शुरू हुए, हालांकि मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम नवंबर'2020 से ही प्रारंभ कर दिया गया था ।

# अगम्य तक पहुँच

(दुर्गम, पहाड़ी तथा दूरस्थ क्षेत्रों एवं तीर्थ स्थलों व उसके आस-पास के स्थानों तक आउटरीच सामुदायिक शिविरों के माध्यम से चिकित्सीय परामर्श व सेवा)

## पीपलकोटी, पेटशाल, नारायणकोटी और हरिद्वार

## कुल 2856 लाभार्थियों के साथ 39 गांवों और आश्रमों में 26 निःशुल्क सामुदायिक चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए

पीपलकोटी : 02-02-2021 गांव सैंजी

पेटशाल : 18-12-2020 ग्राम नौगांव, रिठागढ़ (सरकारी इंटर कॉलेज)

हरिद्वार: 20-03-2021 निरंजनी अखाड़ा

नारायणकोटी :18-12-2020 गांव जलमल्ला
(कालीमठ घाटी का अंतिम गाँव)

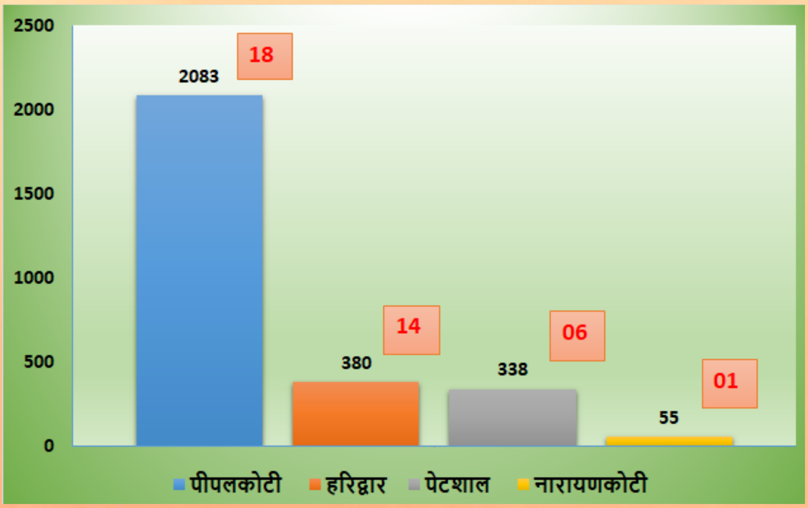


लाभार्थियों की संख्या
स्थानों की संख्या (बॉक्स में)

### प्रदान की गयी सेवाएँ

इन सभी चिकित्सीय शिविरों में परामर्श के साथ निम्न प्रकार की सेवाएँ भी प्रदान करी जाती है:

सामान्य परीक्षण, तापमान, वजन और रक्तचाप माप, रक्त शर्करा (शुगर) की जांच, हीमोग्लोबिन एवं ई. सी. जी जांच और दंत रोग परामर्श।

इन शिविरों में दवाएँ भी वितरित की जाती है। जिन रोगियों को विशेषज्ञ परामर्श की आवश्यकता होती है उन्हें हमारे बेस चिकित्सालय में रेफर किया जाता है। इन सभी शिविरों में कोरोना से बचाव संबंधित जानकारियाँ भी दी जाती हैं और लाभार्थियों को मास्क भी बाटें जाते हैं ।

यह सभी सेवाएँ निःशुल्क प्रदान करी जाती हैं।

इन चिकित्सा शिविरों का उद्देश्य उन क्षेत्रों और स्थानों तक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करना है जहाँ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ सीमित या नहीं के बराबर हैं। ग्रामवासी एवं जरूरतमंद समुदाय अक्सर, परिवहन सेवाओं की अनुपलब्धता व कमी, दुर्गम व कठिनाई से भरे पहाड़ी रास्ते और उनकी खराब आर्थिक स्थिति के कारण स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुँचने में असमर्थ रह जाते हैं। कई बार गैर सरकारी क्लिनिक व चिकित्सालय का अत्यधिक व्यय भी उन्हें गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएँ लेने से वंचित कर देता है। कुछ ऐसी ही स्थिति तीर्थ स्थानों व उनके आस पास के क्षेत्रों में भी पाई जाती है।
इन सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए ऐसे क्षेत्रों पर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच को बनाने के लिए इन चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया जाता है।

# उल्लेखनीय गतिविधियाँ

धर्मावाला : आयुर्वेद और पंचकर्म केंद्र का उद्घाटन श्री सुरेश जोशी (उर्फ-भैया जी) सरकार्यवाह, आर.एस.एस, डॉ. कृष्ण गोपाल जी सह सरकार्यवाह आर,एस.एस, श्री युद्धवीर सिंह जी प्रांत प्रचारक उत्तराखण्ड, आर.एस.एस द्वारा किया गया।

पीपलकोटी : टी.एच.डी.सी (टिहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड) ने हमारे प्रयासों की सराहना करते हुए कोविड-19 लॉकडाउन के कारण फंसे/प्रभावित प्रवासी मजदूरों के लिए आवश्यक भोजन व्यवस्था करने के लिए दान दिया।

पीपलकोटी : हमारी सेवा गतिविधियों को सहयोग प्रदान करते हुए बिरही गंगा परियोजना ने हमें दान दिया और सीमा सड़क संगठन के कमांडिंग ऑफिसर ने व्यक्तिगत रूप से किराने का सामान दान किया।

पेटशाल : दिल्ली के एक प्रसिद्ध जनरल प्रैक्टिशनर डॉ. रत्नेश गुप्ता ने अस्थायी रूप से एक हफ्ते (29 नवंबर से 5 दिसंबर) के लिए अपनी शाहदरा स्थित क्लिनिक को बंद कर अल्मोड़ा जिले के पेटशाल गाँव में स्थित हमारे चिकित्सालय में स्वैच्छिक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करी।

धर्मावाला : हंस फाउंडेशन के सहयोग से धर्मावाला चिकित्सालय में एक पोषक आहार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में डॉट्स के अंतर्गत टीबी की दवा ले रहे रोगियों को पोषण युक्त आहार नि:शुल्क वितरित किया गया। धर्मावाला चिकित्सालय एक डॉट्स सेन्टर भी है।

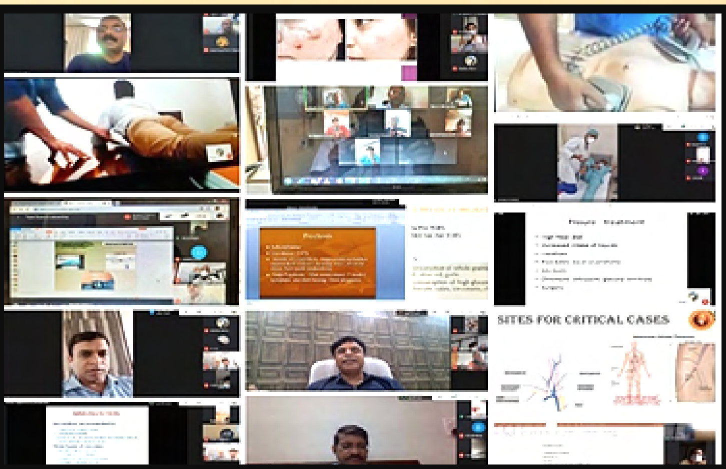


SVHM सोसाइटी के सभी डॉक्टरों और स्टाफ के ज्ञानवर्धन हेतु विभिन्न विशिष्टताओं और सुपरस्पेशलिटी विशेषज्ञों द्वारा 30 वेबिनार सत्र आयोजित किए गए।

धर्मावाला, बड़कोट और मनेरी: कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (CPR) ट्रेनिंग डॉ राकेश त्यागी (उपाध्यक्ष, SVHM सोसाइटी और आगरा से क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट) द्वारा दिया गया। प्रशिक्षित डॉक्टरों और स्टाफ की संख्या: 51

पीपलकोटी : कोविड-19 लॉकडाउन के कारण फंसे प्रवासी मजदूरों को चिकित्सालय की रसोई में तैयार भोजन के पैकेट बांटे गए।

बड़कोट : मुकेश टम्टा जी (भाजपा-बोर्ड अध्यक्ष, बड़कोट) द्वारा सभी डॉक्टरों को पीपीई किट बांटी गई।

स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन सोसाइटी, उत्तराखण्ड के देवभूमि चिकित्सा सेवा में सात वर्ष पूर्ण होने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह माननीय डॉ. कृष्ण गोपाल जी की गरिमामयी उपस्थिति में डॉ. अनुज सिंघल (सचिव) सहित, देश के विभिन्न स्थानों से आए संस्था के प्रमुख चिकित्सक जनों ने जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर पूज्यपाद श्री स्वामी अवधेशानंद गिरी जी महाराज (अध्यक्ष हिंदू धर्म आचार्य सभा) को कॉफी-टेबल बुक भेंट करी।
यह कॉफी-टेबल बुक सोसाइटी के सात वर्षों में हासिल उपलब्धियों की झलक प्रस्तुत करती है।

## पीपलकोटी : सड़क दुर्घटना के शिकार एक बच्चे की जान बचाई

जोशीमठ के पास हुयी एक दर्दनाक कार दुर्घटना में 3 यात्री हताहत हो गए, जिनमें से एक 10 वर्षीय लड़के को ख़राब मौसम के कारण उच्च केंद्र में संदर्भित नहीं किया जा सका व उसे गंभीर अवस्था में पीपलकोटी के इमरजेंसी विभाग में लाया गया। जांच करने पर पता चला की उसे मल्टिपल फ्रैक्चर हुए हैं। इस केस को आगरा के वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ पवन गर्ग ने संभाला जो की वहां एक सप्ताह के लिए स्वैच्छिक सेवाएं देने आये हुए थे। उनके सटीक व बहुमूल्य मार्गदर्शन में रोगी को स्थिर करने में पीपलकोटी टीम कामयाब हुई एवं तदोपरान्त उसे उच्च केंद्र के लिए संदर्भित कर दिया गया।

## बद्रीनाथ: सेल्फी लेना बना जान के लिए खतरा

हरियाणा राज्य से एक पर्यटक, बद्रीनाथ धाम व अन्य स्थलों की यात्रा पर थे जब वे एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना के शिकार हो गए। सरस्वती नदी के ऊपर बने पुल पर सेल्फी लेने की कोशिश में वे फिसलकर नदी के सूखे हिस्से पर जा गिरे और उनके सिर पर गहरी चोट आई। उन्हें स्थानीय लोगों द्वारा तुरंत हमारे बद्रीनाथ चिकित्सालय में लाया गया। चिकित्सालय के स्टाफ द्वारा उनका उपयुक्त एवं आवश्यक उपचार किया गया और पुनः एक अनमोल जीवन को बचा लिया गया।

## बद्रीनाथ: आघात प्रबंधन

जिला चमोली के घस्तोली गांव के पास 25 बीआरओ कर्मचारियों को ले जा रहा एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे सभी लोग घायल हो गए। 25 घायल कर्मचारियों में से, 3 गंभीर रूप से घायल कर्मचारियों को तुरंत प्राथमिकता के आधार पर आपातकालीन उपचार दिया गया और उन्हें आगे के इलाज व प्रबंधन के लिए उच्च केंद्र रेफर कर दिया गया। शेष कर्मचारियों को आवश्यकता के अनुसार चिकित्सालय में ही उपचार दिया गया। यह सभी सेवाएँ पूर्णतः निः शुल्क प्रदान की गयीं।

## धर्मावाला : जोंक परजीवी को सफलतापूर्वक नाक के भीतर से निकाला गया

22 मार्च को हमारे चिकित्सालय में एक 61 वर्षीय पुरुष लगभग एक महीने से गले और नाक में दर्द और साथ में नाक बंद की शिकायत लेकर पहुँचा। रोगी के कहे अनुसार उसने तालाब का पानी पीते समय एक जोंक को निगल लिया था और तब से अत्यधिक पीड़ा में था।

अंततः इस रक्त चूसने वाले परजीवी को अत्यंत सटीकता और कठिनाई के साथ हमारे ई.एन.टी विशेषज्ञ डॉ. श्रेया द्वारा सफलतापूर्वक उसके नाक के पिछले भाग से बाहर निकाला गया।

## धर्मावाला : डिस्टल मायोपेथी - पंचकर्म चिकित्सा

एक 21 साल के पुरुष रोगी को मांसपेशियों की मुख्य शिकायत के साथ आयुर्वेद पंचकर्म चिकित्सा के लिए भेजा गया था। यह रोगी लगभग 7-8 महीनों से दाहिने हाथ की कमजोरी, जिसकी शुरुआत धीरे-धीरे हुई और बढ़ती गयी (प्रगतिशील कमजोरी) से ग्रसित था।

जैसे की चित्रों में दिखाया गया है 15 दिन की चिकित्सा के बाद, हाथों के तलवे की मांसपेशियों की कमजोरी में सुधार हो गया और जिन उँगलियों में जड़ता थी उसमें भी सुधार पाया गया है। रोगी के कहे अनुसार अब उसके दाहिने हाथ में चीजों को पकड़ने की ताकत भी वापस आ गयी थी ।

**इन घटनाओं को उल्लेखनीय बनाता है वह यह है कि इस तरह की दुर्घटनाओं और आपात स्थितियों में चिकित्सीय परामर्श और देखभाल हेतु, चारधाम एवं अन्य दूसरे दुर्गम और पहाड़ी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं और *SVHM* सोसाइटी के चिकित्सालय इसमें एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं व इस अभाव की सफलतापूर्वक पूर्ति कर रहे हैं। स्वस्थ हुए रोगी *SVHM* चिकित्सालयों के स्टाफ को समय रहते उनको उपचार प्रदान करने और उनके जीवन को बचाने के लिए धन्यवाद देते रहे हैं और साथ ही इन तीर्थ स्थानों एवं दूरस्थ स्थलों में चिकित्सालय संचालित करने के लिए *SVHM* सोसाइटी के प्रति अपना आभार भी प्रकट करते रहे हैं।**

**इस प्रकार की आपातकालीन एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाओं की जरूरतों की वास्तविक आवश्यकता पर एक स्पष्ट प्रकाश डालती है जो *SVHM* सोसाइटी द्वारा ऐसे दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में प्रदान की जा रही है।**

# उल्लेखनीय गतिविधियाँ
## एवं विशिष्ट आगंतुक

### एम्स ऋषिकेश द्वारा आयोजित प्रशिक्षण की झलकियाँ

हाई एल्टीट्यूड सिकनेस कोर्स: दीक्षांत समारोह
यह एक छह महीने का विशेष प्रशिक्षण है, जिसमें सोसाइटी के 1 डॉक्टर और 4 स्टाफ को प्रशिक्षित किया गया एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया ।

रिफ्रेशर प्रशिक्षण नर्सिंग स्टाफ के कौशल को उन्नत करने के लिए पंद्रह दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ और इस तिमाही में अब तक कुल 17 स्टाफ को प्रशिक्षित किया गया।

नारायणकोटी:
सी-आर्म मशीन (इमेज इंटेन्सिफायर सहित) लगायी गयी

हरिद्वार: नेत्र कुम्भ केंद्र का उद्घाटन समारोह

नई दिल्ली से लेफ्टिनेंट जनरल एस के उपाध्याय और उनकी पत्नी श्रीमती मंजुला उपाध्याय ने धर्मावाला और बद्रीनाथ के चिकित्सालयों का दौरा किया। उन्होंने चिकित्सालयों और सोसाइटी द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं की बहुत सराहना की।

विशिष्ट आगंतुक: धर्मावाला
BPCL-CSR के अंतर्गत उपलब्ध कराई गयी सुविधाओं का उनके नॉएडा से आए अधिकारीयों द्वारा निरीक्षण

धर्मावाला : CSR संबंधी पेट्रोनेट एलएनजी, नई दिल्ली के अधिकारीयों द्वारा दौरा

बद्रीनाथ: श्री रावल ईश्वरी नंबूदिरी (श्री बद्रीनाथ धाम के मुख्य पुजारी) द्वारा बद्रीनाथ चिकित्सालय का भ्रमण

पीपलकोटी : भारतीय जनता पार्टी, उत्तराखंड के प्रदेश संघ महासचिव श्री अजय कुमार जी और उत्तराखण्ड देवस्थानम चार धाम बोर्ड के उपाध्यक्ष आचार्य शिव प्रसाद ममगाईं जी ने हमारे चिकित्सालय का दौरा किया। आचार्य जी द्वारा चिकित्सालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया।

मनेरी और धर्मावाला : श्री सुरेश जोशी उर्फ भैया जी (सरकार्यवाह, आर एस एस), डॉ. कृष्ण गोपाल जी (सह सरकार्यवाह, आर एस एस) ,
श्री युद्धवीर सिंह जी (प्रांत प्रचारक उत्तराखण्ड, आर एस एस) ने दौरा किया और कर्मचारियों को उनके अमूल्य विचारों और भाषणों से आशीर्वाद दिया।

पीपलकोटी : आर एस एस के प्रांत प्रचारक श्री युद्धवीर सिंह जी ने हमारे चिकित्सालय का दौरा करते हुए स्टाफ को ज्ञानवर्धक बातें भी बताई।

## *SVHM* चिकित्सालयों में मनाये गए उत्सव

**राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस**
**SVHM के डॉक्टरों को इनर व्हील क्लब, विकासनगर द्वारा सम्मानित किया गया**

**स्वतंत्रता दिवस**

**दीपावली**

**गुरु दक्षिणा कार्यक्रम**

**गणतंत्र दिवस**

**होली मिलन कार्यक्रम**

# अन्य परियोजनाएँ

## स्वावलंबन अभियान

### भगवान बद्रीनारायण के लिए तुलसी माला तैयार करना

इस आजीविका एवं स्वावलंबन कार्यक्रम से बामिनी गांव के कुल 88 परिवार लाभान्वित हुए। SVHM सोसायटी द्वारा संचालित इस अभियान में भगवान बद्रीनारायण को प्रतिदिन 22 तुलसी की मालाएं अर्पित की गईं। ये मालाएं उन भक्तों के नाम पर भगवान बद्रीनारायण को अर्पित की जा रही थी जो कोरोना महामारी के कारण दर्शन हेतु नहीं आ सकते थे और इस के लिए ऑनलाइन माध्यमों से पैसे भेज रहे थे।

### बद्री तुलसी चाय का शुभारंभ

हरिद्वार चिकित्सालय के उद्घाटन दौरान लॉन्च किया गया

बद्री तुलसी चाय परियोजना बामिनी गाँव के परिवारों को समर्थन देने के लिए शुरू हुई - तुलसी की माला बनाने के अलावा आय सृजन गतिविधि के एक अन्य स्रोत के रूप में।

### बागवानी और कृषि

SVHM सोसाइटी ने अक्टूबर और नवंबर 2020 माह के दौरान पौड़ी गढ़वाल गाँव के किसानो को वहां के जिला मजिस्ट्रेट के द्वारा 2500 कीवी (KIWI) फल के पौधे वितरित किए।

*SVHM* सोसाइटी ने वर्ष *2019* में पीपलकोटी के स्थानीय किसानों को प्रेरित किया और अपने स्वयं के बागों को स्थापित करने के लिए कौशल एवं सहायता प्रदान की। सैकड़ों किसान अब अपनी मेहनत का लाभ पाने के लिए उत्सुक हैं और बागवानी को अपनी मुख्य खेती व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिए तैयार हैं।

### कपड़ा - स्वयं सहायता समूह (सेल्फ हेल्प ग्रुप)

एसएचजी ने प्रशिक्षण सत्र शुरू किया
घिंगरान गांव

कुल पांच स्वयं सहायता समूह बनाए गए हैं

स्वयं सहायता समूह प्रशिक्षण सत्र आयोजित होता हुआ
घिंगरान गांव

प्रत्येक समूह में 40 महिलाएं शामिल हैं। अब तक एक स्वयं सहायता समूह को प्रशिक्षित किया गया है और आय सृजन गतिविधियों को क्रियान्वित किया गया है। शेष चार स्वयं सहायता समूह अपना प्रशिक्षण शुरू करने की प्रक्रिया में हैं।

स्थानीय महिलाओं में आत्मविश्वास और प्रेरणा का स्तर बढ़ा है क्योंकि वे अब आत्मनिर्भर हैं और एक नया जीवन कौशल सीख चुकी हैं।

स्वयं सहायता समूह की बैठक
लम्बागाड़ गाँव

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को *EPCH* (एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर हैंडीक्राफ्टस) ग्रेटर नोएडा में एक्सपोजर दिया गया

# अन्य परियोजनाएँ

## शिक्षा अभियान

### कोविड - 19 महामारी से प्रभावित छात्रों के लिए ई - शिक्षा अभियान

चल रहे कोविड-19 महामारी के कारण, दूरस्थ और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले छात्रों को अपनी शैक्षणिक कार्यों और दिनचर्या के साथ-साथ किसी भी प्रकार के अध्ययन को पूरा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।
इस समस्या के समाधान करने के लिए और ऐसे छात्रों के दरवाजे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से, SVHM सोसाइटी ने अपने शिक्षा अभियान परियोजना के तहत जोशीमठ और गोपेश्वर, जिला चमोली के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के छात्रों की सहायता की।

SVHM सोसाइटी ने सहायता के उद्देश्य से, AskIITians नामक स्वयंसेवी संस्था के सहयोग से सितंबर 2020 से इन चिह्नित कॉलेजों के छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं संचालित कर रही है।
सोसायटी ने नीति और उर्गम घाटियों के आर्थिक व सामाजिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि वाले 22 छात्रों को उनकी ऑनलाइन कक्षाओं में प्रतिभाग करने के लिए मुफ्त टैबलेट भी वितरित किए।

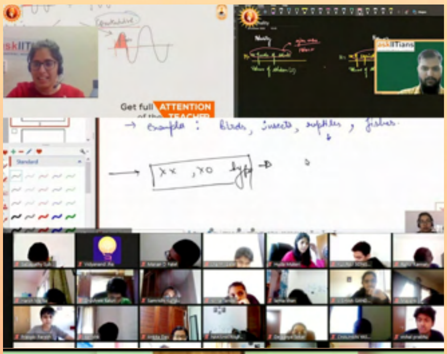

### स्कूल की मदद के लिए हाथ

SVHM सोसाइटी समाज के समग्र विकास में विश्वास करता है और यही वह विश्वास है जो इसे अन्य क्षेत्रों में उद्यम करने की शक्ति देता है। SVHM चिकित्सालय बद्रीनाथ ने यह जानने के बाद कि विद्याभारती के तहत संचालित हो रहे बामिनी गांव, बद्रीनाथ के सरस्वती शिशु मंदिर को सहायता की आवश्यकता है, बिना विलम्ब किए SVHM सोसाइटी को सूचित कर दिया। विद्याभारती एक गैर-सरकारी शिक्षा संगठन है जो मूल्य आधारित सस्ती शिक्षा प्रदान करने का कार्य करता है व देश भर में 20000 से अधिक (उत्तराखंड में लगभग 650) विद्यालय चलाता है।

बामिनी गांव का सरस्वती शिशु मंदिर 2019 तक एक अधूरे व पुराने भवन में चल रहा था और जिसे मरम्मत की सख्त आवश्यता थी। वहां के शिक्षकगण भी काफी कम वेतन पर काम कर रहे थे। SVHM सोसाइटी ने सुधार का जिम्मा लेते हुए विद्यालय के भवन का जीर्णोद्धार किया और साथ ही सोसाइटी ने शिक्षकों के पारिश्रमिक को भी अपग्रेड किया।

एक विद्यालय से जो शुरू हुआ उसने एक पूर्ण गतिविधि का रूप लेकर SVHM शिक्षा अभियान का स्वरुप ले लिया था। इस प्रकल्प ने SVHM सोसाइटी की यात्रा में एक नया अध्याय शुरू करते हुए विद्याभारती को उत्तराखंड राज्य में दूरस्थ और दुर्गम सीमावर्ती क्षेत्रों में अपने विद्यालयों को क्रियाशील बनाए रखने में सहायता करना शुरू कर दिया।

सरस्वती शिशु मंदिर छात्र
बामिनी गाँव

### पुराने छात्रों का संघ, विद्याभारती

सरस्वती शिशु मंदिर ने पुराने छात्र संघ के रूप में आशा की एक नई किरण देखी, जहां ऐसे 300 छात्र 17 अक्टूबर 2019 को बद्रीनाथ में एकत्र हुए और अपने मातृ संस्थान एवं पैतृक गांव की सम्पूर्ण रूप से देखभाल करने का फैसला किया।

विद्यालय भवन जीर्णोद्धार से पूर्व

विद्यालय भवन

विद्यालय भवन जीर्णोद्धार के पश्चात

# आंकड़े

अवधि : 1 अप्रैल 2020 - 31 मार्च 2021

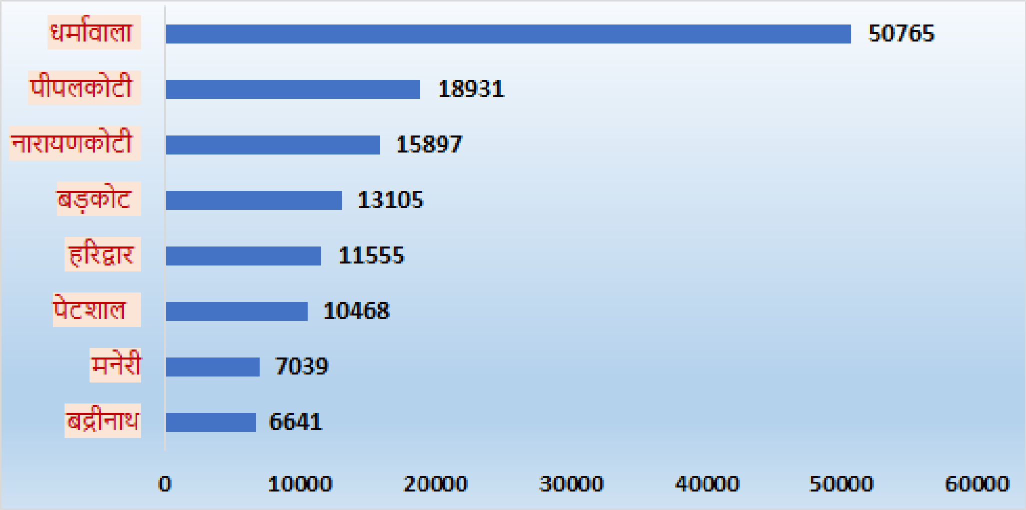


कोविड 19 महामारी ने SVHM चिकित्सालयों को अपनी सेवाएं प्रदान करने से नहीं रोका, हालांकि अप्रैल से जून 2020 के महीनों के दौरान, हम मुख्य रूप से आपातकालीन मामलों और सामान्य रोगी ओपीडी से निपट रहे थे, जिनकी संख्या काफी कम थीं ।
देखा जाये तो हमारे आंकड़े असल में 9 महीने का ही कार्य दिखा रहे हैं।

रोगियों की कुल संख्या

कार्यात्मक समय अवधि:- बद्रीनाथ:16 जून -12 नवम्बर 2020 (5 महीने) ; हरिद्वार: 24 जनवरी-मार्च 2021 (2 महीने)

CSR पहल के तहत भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (BPCL) द्वारा धर्मावाला चिकित्सालय को भेंट की गयी सीटी स्कैन (सीमेंस-32 स्लाइस) मशीन अत्यंत लाभदायक सिद्ध हो रही है, जिससे रोगियों को उचित कीमत पर उच्चकोटी जाँच की सुविधा का लाभ एवं उसके चलते समय पर उपचार मिल पा रहा है और सटीकता के साथ चिकित्सकों को अपनी आगे की उपचार प्रक्रियाओं को बढ़ाने के लिए मार्गदर्शन मिलता है ।

धर्मावाला और उसके निकट स्थित सरकारी एवं निजी चिकित्सालय भी नियमित रूप से सीटी स्कैन जाँचों के लिए रोगियों को हमारे चिकित्सालय में रेफर कर रहे हैं । इसके इलावा सर्जरी एवं अन्य जाँचों के लिए रोगियों को हमारे चिकित्सालय में रेफर कर रहे हैं ।

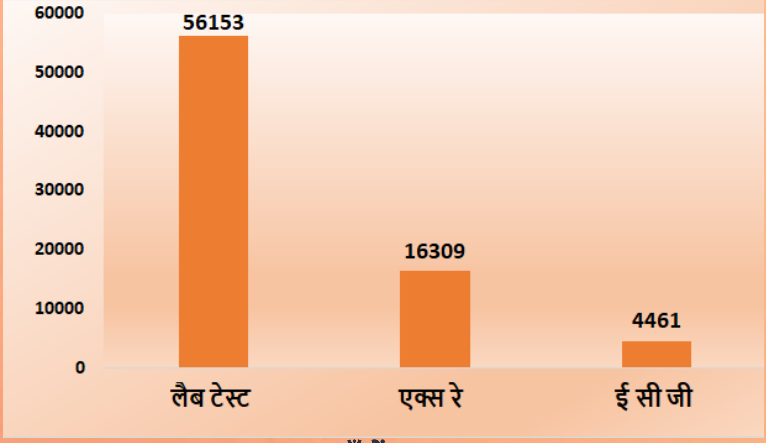


जाँचें

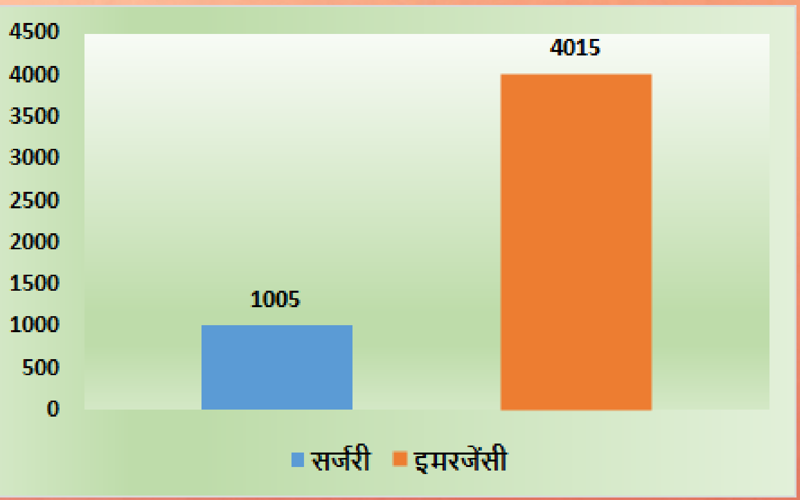


सर्जरी एवं इमरजेंसी

धर्मावाला, बड़कोट, पेटशाल, नारायणकोटी, पीपलकोटी और हरिद्वार चिकित्सालयों में सर्जरी की गयी।

निजी चिकित्सालयों में सर्जरी की उच्च लागत होने से रोगी इलाज के खर्चे को वहन करने में असमर्थ थे। हमारे चिकित्सालयों में इन रोगियों के बिना किसी खर्च के सफलतापूर्वक ऑपरेशन किए गए।

सर्जरी से पहले सभी रोगियों का कोविड - 19 परिक्षण किया गया और नेगेटिव रिपोर्ट आने के बाद ही सर्जरी की प्रक्रिया को आगे बढाया गया।

SVHM चिकित्सालयों के अथक और निरंतर प्रयास द्वारा दूरस्थ, पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में होने वाली मौतों की दरों को काफी हद तक कम करने में सफल रहे।

| 1,34,401 | 32,621 | 1005 | 4015 |
|---|---|---|---|
| कुल रोगियों की संख्या | जाँचें | सर्जरी | इमरजेंसी |

# आंकड़े

अवधि :1अप्रैल 2020 - 31 मार्च 2021

आयुर्वेद विभाग, धर्मावाला
(पंचकर्म केंद्र का लोकार्पण 13-08-2020 को किया गया)

फिजियोथेरेपी विभाग, धर्मावाला

अल्ट्रासाउंड विभाग, धर्मावाला

नेत्र विभाग, हरिद्वार

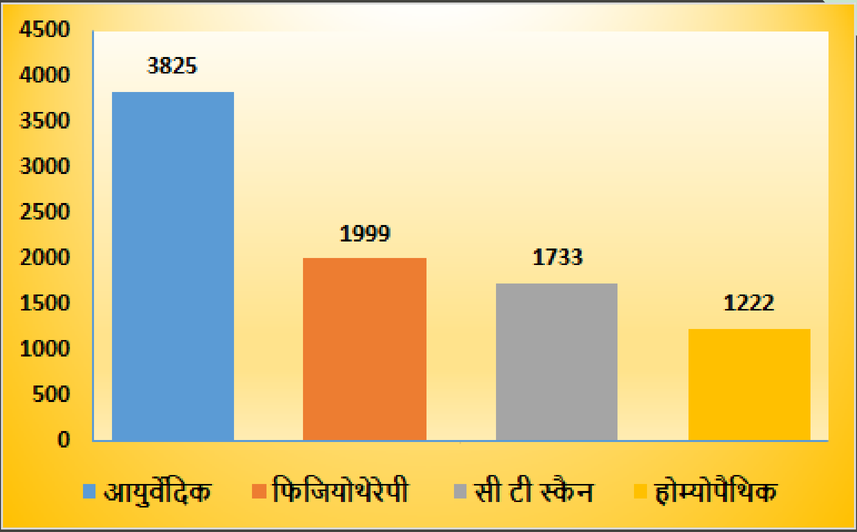


धर्मावाला चिकित्सालय में उपलब्ध सुविधाएँ

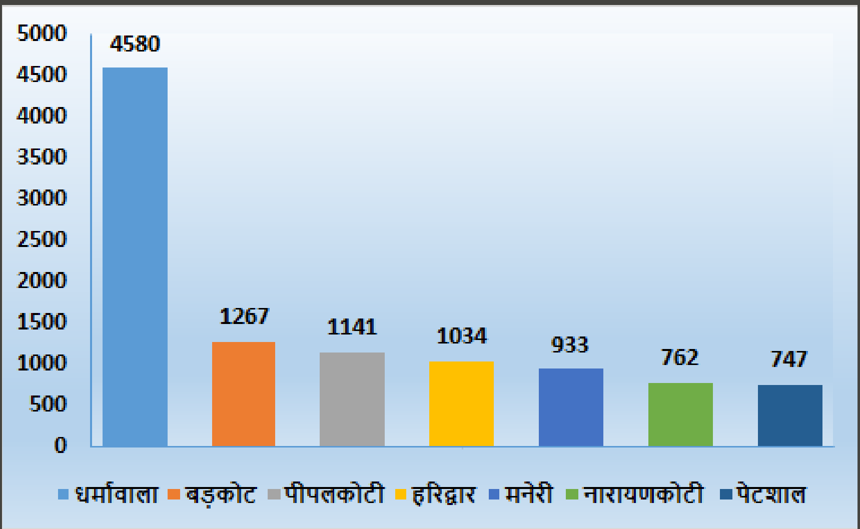


दन्त चिकित्सा

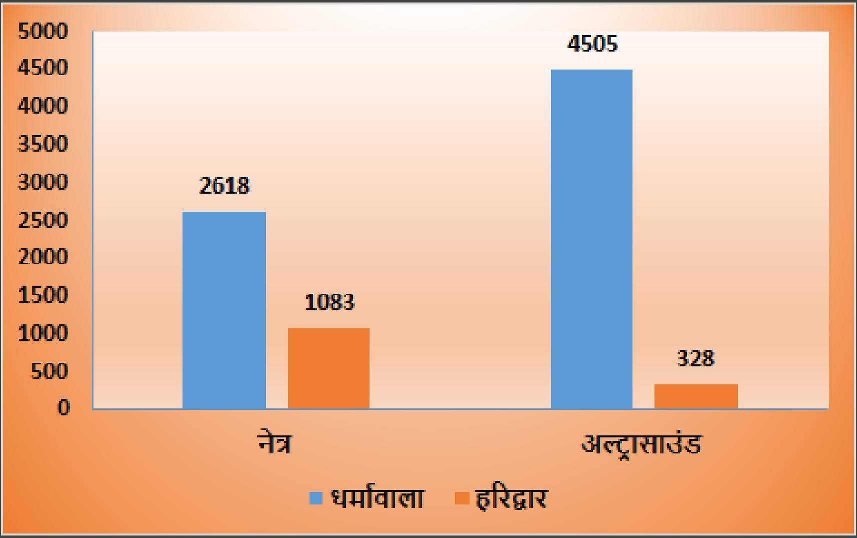


नेत्र चिकित्सा एवं अल्ट्रासाउंड सुविधा
केवल हरिद्वार और धर्मावाला में उपलब्ध है

# नए पहल

नौवां चिकित्सालय हरिद्वार में प्रारंभ किया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य परियोजनाओं में एनीमिया की रोकथाम और नियंत्रण के लिए नया सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू किया गया।

धर्मावाला में आयुर्वेद एवं पंचकर्म केंद्र का उद्घाटन।

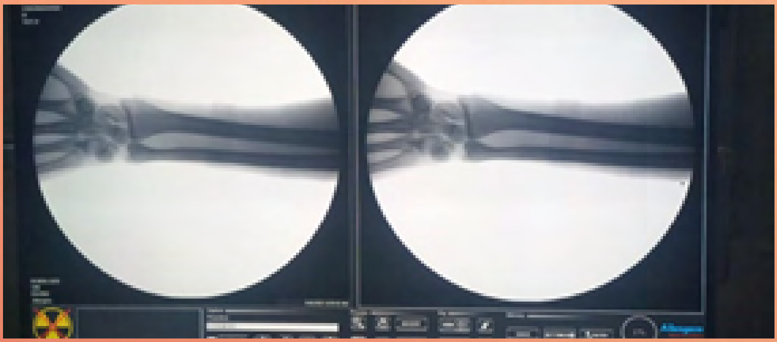

नारायणकोटी में सी-आर्म मशीन स्थापित की गई।

शिक्षा अभियान की शुरुआत।

# आगे की राह

**सोसाइटी इस वर्ष गंगोत्री, उत्तरकाशी और वृंदावन में नए चिकित्सालय प्रारंभ करने की ओर अग्रसर है ।**

---

**ग्रेटर नोएडा में SVHM सोसाइटी का एक नवीन कार्यालय स्थापित किया जाएगा।**

---

**सोसाइटी एक नया कार्यक्रम शुरू करने पर विचार कर रही है जिसमें की कुछ चयनित गाँवों में आरोग्य मित्र (स्वास्थ्य स्वयंसेवकों) बनाएगी और ये हमारे चिकित्सालयों एवं समुदाय के बीच एक सेतु का काम करेगें। आरोग्य मित्र एक स्वास्थ्य सेवा प्रदाता के तरह कार्य करेगें जिसमे प्राथमिक उपचार, रोगों से बचाव संबंधित जानकारियाँ, स्वास्थ्य शिक्षा एवं गंभीर रोगों के लिए रेफरल शामिल रहेगें।**

---

**SVHM सोसाइटी उत्तराखण्ड राज्य के उन बच्चों के लिए भी छात्रवृत्ति योजना शुरू करने पर विचार कर रही है, जिन्होंने कोविड - 19 के कारण अपने परिवार के कमाने वाले सदस्य (माता/पिता) को खो दिया है।**

---

**धर्मावाला चिकित्सालय में एक नए भवन के निर्माण का कार्य प्रगति में है जिसमें महिला रोग विभाग/ SNCU / नर्सरी, नेत्र विभाग एवं अतिरिक्त सुविधाएं भी शुरू की जाएँगी।**

---

**पीपलकोटी चिकित्सालय में अल्ट्रासोनोग्राफी की सुविधा प्रारंभ की जाएगी।**

---

माता मंगला जी

द हंस फाउंडेशन, एक चैरिटेबल ट्रस्ट फंड है जिसे भारत में नॉन प्रॉफिट संगठनों के हर प्रकार की सहायता एवं दान का स्रोत प्रदान करने के लिए बनाया गया है और इनके फंडों की सहायता से भारत में सैकड़ों चैरिटेबल संगठनों को वित्त पोषित किया जाता है।

2009 में स्थापित, वंचित समुदायों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार, स्वास्थ्य, शिक्षा, विकलांगता और आजीविका के क्षेत्रों में विकास कार्यक्रमों के लिए कार्य कर रहा है और साथ ही कई गैर-लाभकारी संगठनों को धन भी प्रदान कर रहा है। पिछले दस वर्षों में हंस फाउंडेशन ने अब तक 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 400 से अधिक गैर सरकारी संगठनों को वित्त पोषित किया है, जिससे देश में प्रत्यक्ष याअप्रत्यक्ष रूप से एक करोड़ से अधिक गरीबों को लाभ हुआ है।

भोले जी महाराज

*SVHM* सोसाइटी के "नर सेवा नारायण सेवा" के मंत्र को हंस फाउंडेशन के उदार समर्थन के बिना यथार्थ नहीं किया जा सकता था, जिसने आर्थिक सहायता देने के अलावा, हमारी सोसाइटी को आवश्यक उपकरण और अन्य स्रोत भी उपलब्ध कराए है।

# हमारे सहयोगी संगठन/दानकर्ता

MICROTEK
THE SEEKERS TRUST

BPCL
ISRO
ATS BUILDERS

YATHARTH SUPER SPECIALITY HOSPITAL, NOIDA
YASHODA SUPER SPECIALITY HOSPITAL GHAZIABAD

HIMACHAL POWER PRODUCTS
BAGGRRY'S INDIA PVT. LTD.

SUMER MAL PATWARI TRUST
P N C INFRATECH LTD.

PREET MACHINES LTD.
K R PULP AND PAPER LTD.

ONGC
OOMS

SHRI. MANTENA, TIRUPATI
CHEMESTER FOOD INDIA PVT. LTD

NETAMBIT VALUE FIRST SERVICE
FUTURE SAFE SERVICE PVT. LTD.

SHIVALIK INDUSTRIES
UNIVERSAL POWER PRODUCTS

COLOURTEX INDUSTRIES PVT. LTD.
DHAN SAMRIDHI FINANCE PVT. LTD.

*SVHM* सोसाइटी सभी दान दाताओं के अटूट समर्थन और सहायता के लिए अत्यधिक ऋणी है। उपरोक्त सूची उन्हें सम्मानित और सराहना देने के लिए हमारा एक नेक प्रयास है, हालाँकि कई और भी हैं जिन्होंने गुमनाम रहने का विकल्प चुना। यह सोसाइटी उनके प्रति भी हार्दिक कृतज्ञता और आभार प्रकट करती है।

## "आपका विश्वास हमारे सेवा की नींव है"

नर सेवा

नारायण सेवा

# स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन सोसाइटी, उत्तराखण्ड

## वार्षिक वृतांत

## 2020 - 2021

आपका अमूल्य दान है एक वरदान :
स्वामी विवेकानन्द हेल्थ मिशन सोसाइटी
खाता संख्या: 32584491256
आई एफ एस सी (*IFSC*) कोड: SBIN0010626
शाखा का नाम: सी एस टी हरबर्टपुर, देहरादून

*https://svhmuk.in*
*https://twitter.com/svhmuk*
*https://www.instagram.com/svhmuk/*
*svhmuk@gmail.com; anujdrs@gmail.com*

सभी दान आयकर अधिनियम, *1961* की धारा *80G* के तहत कर-मुक्त हैं।